ST. ARNOLD'S CENTRAL SCHOOL, PUNE
PERIODIC TEST – 3, 2017-18
SUBJECT : HINDI

STD : X MM : 50

खंड क : अपठित बोध

प्र.१ निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए । ०६

यदि मनुष्य और पशु के बीच कोई अंतर है तो केवल इतना कि मनुष्य के भीतर विवेक है और पशु विवेकहीन है। इसी विवेक के कारण मनुष्य को यह बोध रहता है कि क्या अच्छा है और क्या बुरा। इसी विवेक के कारण मनुष्य यह समझ पाता है कि केवल खाने–पीने और सोने में ही जीवन का अर्थ और इति नहीं। केवल अपना पेट भरने से ही जग के सभी कार्य संपन्न नहीं हो जाते और यदि मनुष्य को जन्म मिला है तो केवल इसी चीज का हिसाब रखने के लिए नही कि इस जगत ने उसे क्या दिया है और न ही यह सोचने के लिए कि यदि इस जग ने उसे कुछ नहीं दिया तो वह इस संसार के भले के लिए कार्य क्यों करे। मानवता का बोध कराने वाले इस गुण विवेक की जननी का नाम शिक्षा है। शिक्षा जिसके अनेक रूप समय के परिवर्तन के साथ इस जगत में बदलते रहते है, वह जहाँ कहीं भी विद्यमान रही है सदैव अपना कार्य करती रही है। यह शिक्षा ही है जिसकी धुरी पर यह संसार चलायमान है। विवेक से लेकर विज्ञान और ज्ञान की जन्मदात्री शिक्षा ही तो है। शिक्षा हमारे भीतर विद्यमान वह तत्व है जिसके बल पर हम बात करते है, कार्य करते हैं, अपने मित्रों और शत्रुओं की सूची तैयार करते हैं, उलझनों को सुलझनो में बदलते हैं। असल में सीखने और सिखाने की प्रक्रिया को ही शिक्षा कहते हैं। शिक्षा उन तथ्यों का तथा उन तरीकों का ज्ञान कराती है जिन्हें हमारे पूर्वजों ने खोजा था सभ्य तथा सुखी जीवन बिताने के लिए, और आज यदि हम सुखी जीवन बिताना चाहते है तो हमें उन तरीकों को सीखना होगा, उन तथ्यों को जानना होगा जिन्हें जानने के लिए हमारे पूर्वजों ने निरंतर सदियों तक शोध किया है जो केवल शिक्षा के द्वारा ही संभव है।

क) मनुष्य और पशु के बीच क्या अंतर है? विवेकशील होने से मनुष्य को क्या लाभ है? ०२

ख) मनुष्य का जन्म किसका हिसाब रखने तथा क्या सोचने के लिए नहीं हुआ है? ०२

ग) शिक्षा हमें किन तथ्यों तथा तरीकों का ज्ञान कराती है? ये सुखी जीवन बिताने में किस प्रकार सहायक है? ०२

प्र.२ निम्नलिखित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढकर नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर दीजिए– ०५

तुम भारत, हम भारतीय है, तुम माता हम बेटे।
किसकी हिम्मत है कि तुमको दुष्ट–दृष्टि से देखे?
ओ माता, तुम एक अरब से अधिक भुजाओं वाली

सबकी रक्षा में तुम सक्षम, हो अदम्य बलशाली।
भाषा, वेश, प्रदेश भिन्न हैं, फिर भी भाई–भाई,
भारत की साझी संस्कृति में पलते भारतवासी।
सुदिनों में हम एक साथ हँसते, गाते, सोते हैं।
दुर्दिन में भी साथ–साथ जगते पौरुष खोते हैं।
तुम हो शस्यश्यामला, खेतों में तुम लहराती हो,
प्रकृति, प्राणमयि, सामगाननयि, तुम न किसे भाती हो
तुम न अगर होती तो धरती वसुधा क्यों कहलाती?
गंगा कहाँ बहा करती, गीता क्यों गायी जाती?

क) "एक अरब से अधिक भुजाओं वाली" पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए तथा बताइए कि इसमें माता की स्थिती कैसी बताई गई है? ०२

ख) साझी संस्कृति का भाव स्पष्ट कीजिए तथा वे परस्पर किस प्रकार कब गाते और पौरुष दिखाते हैं? ०२

ग) गंगा जहाँ बहती है तथा गीता भी जहाँ गाई गई थी, वहाँ का राष्ट्रगीत क्या है? ०१

खंड ख : व्यवहारिक व्याकरण

प्र.३ निम्नलिखित वाक्यों को निर्देशानुसार बदलिए। ०२

क) हमारे घर से बाहर निकलते ही बारिश होने लगी। (मिश्र वाक्य में)

ख) रवि बाल कटवाकर संतुष्ट नहीं था। (संयुक्त वाक्य में)

प्र.४ : निर्देशानुसार उत्तर दीजिए– ०४

क) निम्नलिखित समस्त पदों का विग्रह कर समास का नाम लिखिए।

१ दशानन २ नगरवासी

ख) निम्नलिखित विग्रहों को समस्त पद बनाकर समास का नाम लिखिए।

१. चरण रूपी कमल २ तीन वेणियों का समूह

प्र.५ निम्नलिखित वाक्य में रेखांकित पद का परिचय लिखिए। ०१

वीर सुभाषचंद्र बोस ने अंग्रेजों को खूब मजा चखाया ।

प्र.६ निम्नलिखित वाक्यों की पूर्ति उपयुक्त मुहावरों द्वारा कीजिए। ०२

१. अपने मित्र की सफलता को देख रमेश का..... ।

२. जतिन की माँ थोड़ी देर के लिए बाजार क्या गई, उसने रो–रोकर आसमान..... ।

खंड ग : पठित बोध

प्र.७ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (२ + २ + १ = ०५)

क) 'गिन्नी का सोना' पाठ से लेखक किस तथ्य को उजागर करता है?

ख) लेखक ने ड्रेन परंपरा के अनुसार चाय पीने के बाद स्वयं में क्या परिवर्तन महसूस किया?

ग) जापान में चाय पीने की विधि को क्या कहते है?

प्र.८ निम्नलिखित गद्यांश को पढकर प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (२ + २ + १ = ०५)

बढ़ती हुई आबादियों ने समंदर को पीछे सरकाना शुरू कर दिया है, पेड़ों को रास्तों से हटाना शुरू कर दिया है, फैलते हुए प्रदूषण ने पक्षियों को बस्तियों से भगाना शुरू कर दिया है। बारूदों की विनाशलीलाओं ने वातावरण को सताना शुरू कर दिया। अब गरमी में ज्यादा गरमी, बेवक्त की बरसातें, जलजले, सैलाब तुफान और नित नए रोग, मानव और प्रकृति के इसी असंतुलन के परिणाम है। नेचर के गुस्से का एक नमूना कुछ साल पहले मुंबई में देखने को मिला था और यह नमूना इतना डरावना था कि मुंबई निवासी डरकर अपने अपने पूजा स्थल मे अपने खुदाओ से प्रार्थना करने लगे थे।

क) बढती हुई आबादी का पर्यावरण पर क्या प्रभाव पडा?

ख) प्रदूषण के परिणामस्वरूप प्रकृति में कौन से परिवर्तन हुए?

ग) नेचर के गुस्से का एक नमूना कहाँ देखने को मिला था?

प्र.९ निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त में लिखिए। (२ + २ + १ = ०५)

क) कवि ने कैसी मृत्यु को सुमृत्यु कहा है? 'मनुष्यता' कविता के आधार पर लिखिए ।

ख) "पुग–पुग प्रतिदिन प्रतिक्षण प्रतिपल प्रियतम का पथ आलोकित कर!" पंक्ति द्वारा कवयित्री का क्या अभिप्राय है?

ग) मधुर–मधुर मेरे दीपक जल में कवयित्री किससे और क्या आग्रह कर रही है?

प्र.१० : घरवालों के मना करने पर भी टोपी का लगाव इक़रुन के घर और उसकी दादी से क्यों था? दोनों के अनजान अटूट रिश्ते के बारे में मानवीय मूल्यों की दृष्टि से अपने विचार लिखिए। ०५

खंड घ : लेखन

क) किसी खेल सामग्री निर्माता कंपनी ने आपको निम्नस्तरीय माल भेजा है। उसे चेतावनी भरा पत्र लिखिए। ०५

ख) आपके शहर में साडियों की सेल लगी है। इसके लिए २५–५० शब्दों में एक विज्ञापन तैयार कीजिए। ०५